आवास ऋण हो गया सस्ता

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने आवास एवं कार ऋण सस्ता करने की घोषणा की है। बैंक ने बताया कि आवास ऋण पर प्रोसेसिंग शुल्क में 50 फीसदी शुल्क को शून्य कर ऋण को सस्ता किया जा रहा है। यह व्यवस्था आगामी एक मार्च से लागू होगी। बैंक ने बताया कि आवास ऋण की मासिक किश्त घटकर 896 रुपए प्रति लाख हो जाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र की लगभग सभी बैंकों ने अपनी ब्याज दरों को घटा दिया है।

Real estate craze
New trends
launching news
Vastu column
Property live
Home decore
Upcoming projects

INDORE estate

भूखंड के लिए वास्तु मंत्र

पंडित डीपी मिश्रा

जहां ईट, गिट्टी और रेत से दीवार की शुरुआत की जाती है, वहां वास्तु नियम लागू हो जाते हैं और उनका पालन भी आवश्यक होता है। लेकिन, भूखंड की खरीदारी में वास्तु मंत्र लागू नहीं होते हैं, क्योंकि वह खुला स्थान होता है। इसके लिए भूखंड के आसपास की बनावट के अनुसार उसकी जांच-परख करनी चाहिए, साथ ही दिशाओं और उप दिशाओं पर भी ध्यान देना चाहिए। मिट्टी परीक्षण से लेकर राशि अनुसार किसे कहां बसना उचित होता है, के संबंध में विस्तार से संपूर्ण जानकारी दी जा चुकी है। आपकी जानकारी के लिए आज भूखंड के भौतिक विषयों पर दोबारा बिन्दुवार जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

- मकान या कोई भी निर्माण इस तरह कराएं कि प्रकाश और वायु की सुगमता हो। स्वास्थ्य की दृष्टि से घर के चारों ओर ज्यादा खुला स्थान छोड़ें।
- यदि कोने का प्लॉट हो तो सर्वश्रेष्ठ होगा।
- आपका प्लॉट आसपास के अन्य प्लॉटों या बस्ती से नीचे नहीं होना चाहिए, अन्यथा बरसात में पानी आपके घर में घुस सकता है। साथ ही घर में हवा भी पर्याप्त नहीं आ सकेगी।
- गंदा नाला, प्रदूषण वाली फैक्टरी, गंदगी, श्मशान, कब्रिस्तान अथवा मुर्दा- मवेशी निस्तारण आदि स्थानों के पास प्लॉट न लें।

रीयल एस्टेट में जारी मंदी का एकमात्र हल

उद्योग का मिले दर्जा

पिछले एक वर्ष में कंस्ट्रक्शन में उपयोग आने वाले उत्पादों जैसे सीमेंट, सरिया, रेती और मजदूरी काफी तेजी से बढ़ी है। अकेले सीमेंट के दामों में 25-35 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी हुई है। इसके साथ ही गाइड लाइन में भी भारी बढ़ोत्तरी राज्य सरकार हर वर्ष कर देती है। इसका असर आम आदमी के आवास पर तो पड़ता ही है साथ ही रीयल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सरकार को चाहिए कि वो कंस्ट्रक्शन में उपयोग आने वाले उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण रखे साथ ही गाइडलाइन और करों को युक्तिसंगत बनाए।

ईडब्ल्यूडीपीएल के सीईओ आरिफ शेख ने बताया कि इस वर्ष की शुरूआत रीयल एस्टेट सेक्टर के लिए काफी सकारात्मक रही है, क्योंकि रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को घटाया है, यह सकारात्मक कदम बजट में भी आगे बढ़ाए जाने चाहिए। इस बजट में रीयल एस्टेट को भी इंडस्ट्रीज का दर्जा मिले, इसके अलावा रीयल एस्टेट बाजार के विकास की गति तेज करने लिए एकल नीति का निर्णय अपेक्षित है।

पूरे देश में एक नियम

वर्तमान में एक बिल्डर अथवा कॉलोनाइजर को केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों से अनुमतियां लेना पड़ती है, इसमें बदलाव करते हुए सिंगल विंडो सिस्टम किया जाए और पूरे देश में एक समान नियम लागू हो ताकि उन उद्योगपतियों को राहत मिल सके जो पूरे देशभर में अपने प्रोजेक्ट्स संचालित कर रहे हैं।

रेंसिडेंशियल जोन बने

एसईजेड की तर्ज पर ही स्पेशल रेसीडेंशियल जोन का विकास किया जाना चाहिए और इसी तरह की रियायतें भी दी जाना चाहिए। इसके चलते न केवल सामान्य वर्ग को आवास सुविधा मुहैया हो पाएगी बल्कि सरकार को भी काफी राहत मिलेगी।

छूट मिले

गरीब एवं निम्न तबके के लिए बनाए जाने वाले अफोर्डेबल हाउसिंग के प्रोजेक्ट्स के लिए जहां एक ओर सरकार विभिन्न माध्यमों से ऋण ले रही है, वहीं दूसरी ओर बिल्डरों पर टैक्स लगा रही है। सरकार यदि बिल्डरों को अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए 80आईबी (10) में आयकर की छूट दे तो इस तरह के प्रोजेक्ट्स में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

इन्वेस्टमेंट फंड

आरिफ शेख ने बताया कि रीयल एस्टेट इन्वेस्टमेंट फंड्स की भी घोषणा की जाए, इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए विशेष फंड्स की भी घोषणा बजट में हो। इसके अलावा 1 फीसदी ब्याज सब्सिडी की ऋण सीमा बढ़ाकर 30 लाख की जाना चाहिए। महंगाई के चलते छूट सीमा काफी कम है। सरकार ने ब्याज की छूट सीमा भी 1.50 लाख रुपए ही रखी है, जिसे बढ़ाकर 3 लाख रुपए की जाना चाहिए। सरकार जब तक रीयल एस्टेट को राहत नहीं देगी तब तक जीडीपी में वृद्धि संभव नहीं है।

टैक्स का बोझ कम हो

देशभर में बिना बिकी आवासीय यूनिटों की संख्या लाखों में पहुंच चुकी है, वहीं रीयल एस्टेट सेक्टर में लोन के डिफॉल्ट होने का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। सरकार ने इसमें हस्तक्षेप नहीं किया तो स्थिति और बदत्तर हो सकती है। इस बजट में रीयल एस्टेट सेक्टर को करों को कम करने के साथ-साथ राहत पैकेज भी दे तो जीडीपी में काफी वृद्धि संभावित है। बजट में कुछ इस तरह से होना चाहिए बदलाव :

- वर्क्स कान्ट्रेक्ट सर्विस में चलित उत्पादों ाके बाहर किया जाए।

कम्पलीशन एवं फिनिशिंग सर्विस पर एकमुश्त दर से 50 फीसदी की या तो अबेटमेंट दी जाए या फिर सीधा 5-6 फीसदी से टैक्स लगाया जाए।

कंस्ट्रक्शन सेवा में मूल्यांकन की प्रक्रिया सरल की जाए।

-रेशो डील, रेवेन्यू शेयरिंग के मसले में भू स्वामी एवं बिल्डर्स दोनों को रजिस्ट्रेशन लेकर टैक्स भरना चाहिए इससे पारदर्शिता रहेगी दोनों ही छूट ले पाएंगे और आपस में सेवाकर नहीं लगेगा।

सेनवेट क्रेडिट नहीं लेते हैं और भूमि की वेल्यू शामिल रहती है तो छूट का दायरा 85 फीसदी हो।

- वन बीएचके फ्लेट को पूर्णतः शुल्क मुक्त किया जाए।

- आवासीय इमारतों की छूट सीमा को 1 से बढ़ाकर 12 किया जाना चाहिए।

सीए नवीन खंडेलवाल, इंदौर

सवाल जवाब

प्र. मैं एक बिल्डिंग बना रहा हूं इसमें 50 फ्लैट है सभी खरीदार को पार्किंग स्पेस भी बेची जा रही हैं। पार्किंग चार्जेस अलग से 1 लाख रुपए लिया जा रहा है। क्या इस पर भी 75 फीसदी की अबेटमेंट लेकर सिर्फ 25000 पर ही सर्विस टैक्स देना होगा या फिर पूरी राशि पर सेवाकर लगेगा।

उ. नोटिफिकेशन क्रमांक 26/2012 दिनांक 20.6.2012 क्रमांक 12 में जो 75 फीसदी की छूट प्राप्त है वह काम्पलेक्स बिल्डिंग, सिविल स्ट्रक्चर या उसके किसी पार्ट के विक्रय उद्देश्य से कंस्ट्रक्शन पर मिलती है, बशर्ते कि उसमें लैंड वेल्यू भी सम्मिलित हो। जाहिर तौर पर पार्किंग स्पेस, भूमि का हिस्सा तो है, लेकिन सिविल स्ट्रक्चर काम्पलेक्स का हिस्सा होता है। अतः इस पर छूट नहीं मिल सकती है। यदि रजिस्ट्री वेल्यू में पार्किंग स्पेस की वेल्यू भी सम्मिलित है और एक ही बिल दिया है तो छूट मिल सकती है।

प्र. सेवा पूरी होने से 30 दिन में बिल बनाना होता है। सेवा पूरी हो गई है यह कैसे और कौन तय करेगा।

उ. सर्विस टैक्स नियम 1994 के सब रूल 4(ए) के मुताबिक बिल्डर्स द्वारा दी जा रही कंस्ट्रक्शन सर्विस कन्टीन्यूअस सप्लाई ऑफ सर्विस के दायरे में आती है अतः 18 जुलाई 2011 के सर्कुलर का पालन करते हुए चार्टर्ड इंजीनियर से कम्पलीट हो चुकी सर्विस जिसका कि पैमेंट ड्यू हो गया है, हेतु आपको 30 दिन में डिमांड नोट अथवा बिल जारी करना होगा एवं तत्संबंधी सर्विस टैक्स चार्ज करना होगा।

प्राइम लोकेशन में बने आशियाना

साइट विजिट

शालीमार प्रीमियम टॉवर

आधुनिक इंदौर कहे जाने वाले विजय नगर क्षेत्र और बीआरटीएस पर स्थित एक ऐसी प्रीमियम टाउनशिप जहां सपनों का आशियाना बनाना अब सभी के लिए संभव हो गया है।

शहर के मध्य स्थित मीरचंदानी ग्रुप के शालीमार टाउनशिप में विकसित किए जा रहे प्रीमियम टॉवर न केवल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, बल्कि प्रकृति के भी बिलकुल करीब है।

बीआरटीएस पर स्थित लक्जरी हाइराइज अपार्टमेंट में प्रीमियम लाइफ स्टाइल के इस प्रोजेक्ट में 3 और 4 बीएचके अपार्टमेंट्स की विश्वस्तरीय श्रृंखला तैयार की गई है। जहां तमाम आधुनिक सुविधाएं जुटाई है, यही नहीं टाउनशिप में सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय प्रणाली तैयार की गई है। भव्य प्रवेश द्वार, मंदिर, गार्डन, जॉगिंग ट्रेक, पोडियम गार्डन की सुविधाओं के साथ ही ए क्लास कंस्ट्रक्शन किया गया है। वाटर रिचार्जिंग के साथ ही प्राकृतिक खूबसूरती बनी रहे इसके लिए भी विशेष उपाय किए गए है।

यह हैं सुविधाएं

- भव्य प्रवेश द्वारा
- हर मल्टीस्टोरीज में दो लिफ्ट
- द्विस्तरीय कार पार्किंग
- हर अपार्टमेंट में 3-4 बालकनी
- फ्रेंच दरवाजे, बड़ी खिड़कियां
- कॉमन एरिया में पॉवर बेकअप

इनके हैं करीब

- बीआरटीएस पर स्थित
- बैंक, हॉस्पिटल, स्कूल, कॉलेज के बिलकुल नजदीक
- रेलवे स्टेशन 10 मिनिट
- हॉस्पिटल 3 मिनिट
- विजय नगर चौराहे से 3 मिनिट
- शॉपिंग मॉल से 3 मिनिट

मीरचंदानी ग्रुप

प्रदेश में मीरचंदानी ग्रुप ही एकमात्र ऐसा है जिसने क्रिसिल रेटिंग हासिल की है। इसके साथ ही प्रदेश का पहला ग्रीन प्रोजेक्ट, 2010 में दो श्रेणियों में आईडीए ने सम्मानित किया है।

राज्यमंच

चुनाव में ताकत दिखाएंगे

पुलिस के पहरे में किसान नेता कक्काजी ने की किसान-मजदूर प्रजा पार्टी की घोषणा

भोपाल
indore@patrika.com

किसान नेता शिवकुमार शर्मा 'कक्काजी' ने गुरुवार को किसान-मजदूर प्रजा पार्टी के गठन की घोषणा कर प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसान-मजदूर 2013 के विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाकर भाजपा-कांग्रेस दलों को सबक सिखाएंगे।

यहां टीटी नगर दशहरा मैदान में पुलिस के कड़े पहरे में हजारों किसानों की उपस्थिति में उन्होंने कहा कि ये पार्टी किसानों-मजदूरों को विधानसभा में पहुंचाने का काम करेगी। इसमें युवाओं और बेटियों को भरपूर अवसर मिलेगा। इस अवसर पर किसानों ने 'पहले लड़े थे गोरों से-अब लड़ेंगे चोरों से, विधानसभा नहीं है दूर-अब बैठेंगे किसान मजदूर' जैसे नारे लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि हर 24 मिनट में एक किसान आत्महत्या कर रहा है, ऐसी स्थिति में नेताओं और दलों का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। उन्होंने कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दों पर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि स्वर्णिम मध्यप्रदेश का नारा पूरी तरह से फ्लाप हो गया है।

किसान-मजदूरों को रास्ते में रोका

कक्काजी ने आरोप लगाया कि पार्टी स्थापना दिवस पर प्रदेश के सभी जिलों से आने वाले लगभग साठ हजार किसानों को पुलिस-प्रशासन ने जगह-जगह रोक लिया। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में अवरोध बने प्रशासन पर आक्रोश व्यक्त करते हुए गुरुवार को काला दिन की संज्ञा दी। कक्काजी ने बताया कि सीहोर शाजापुर, देवास सहित 42 स्थानों पर किसानों के दो पहिया व चार पहिया वाहनों को रोका गया। कक्काजी ने कहा किसान मजदूर प्रजा पार्टी प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भोपाल में पार्टी की घोषणा करते शिवकुमार शर्मा 'कक्काजी' ।

पुलिस ने गुरुवार को शहर में निकाला फ्लैग मार्च।

धार में शुक्रवार के लिए प्रशासन की रणनीति तैयार

पुलिस ने फिर कसी कमर

धार
indore@patrika.com

भोजशाला विवाद भले ही शांत हो गया हो, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व अब भी शुक्रवार को धार बंद की अफवाह उड़ाने में लगे हुए है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी अपनी रणनीति तैयार कर ली है। इसके तहत शहर की सुरक्षा की कमान लगभग ढाई हजार जवानों के कंधों पर रहेगी। धार के चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मी तो तैनात होंगे ही साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी हर हरकत को कैद करने के लिए लगाए गए हैं।शुक्रवार को भोजशाला में नमाज अदा करेगा इसलिए पुलिस प्रशासन भी किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहता है।

> हमने मामले को लेकर दोनों समुदायों के प्रमुखों की बैठक बुलाई थी। इसमें सौहार्द कायम रखने का भरोसा दिलाया है। इसके अलावा असामाजिक तत्वों पर निगरानी के लिए सिटी मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।
> **सीबी सिंह,** कलेक्टर धार

नरेंद्रकुमार हत्याकांड : धुलेंडी के दिन हुई थी वारदात

11 माह 12 दिन में फैसला

खनन माफिया ने ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की थी

इंदौर
cityreporter.indore@patrika.com

सीबीआई की विशेष कोर्ट ने आईपीएस नरेंद्रकुमार हत्याकांड में गुरुवार को अभियुक्त मनोज गुर्जर को 12 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने गुर्जर को गैर इरादतन हत्या करने व शासकीय कार्य में बाधा डालने का दोषी मानते हुए 10 व 2 वर्ष के कारावास व अर्थदंड की सजाएं सुनाई है। दोनों सजाएं अलग-अलग भुगताई जाएगी। सुनवाई के दौरान नरेंद्र के पिता केशवदेव ने खनन माफिया पर हत्या कराने की आशंका जताई थी। हत्याकांड के 11 माह 12 दिन में फैसला सुनाया गया।

8 मार्च 2012 को होली वाले दिन नरेंद्र मुरैना जिले के बामौर थाने के राजे पेट्रोल पंप के पास अपने लोक सेवक कर्तव्य का पालन कर रहे थे। मनोज अपने टैक्टर में अवैध रूप से पत्थर लेकर जा रहा था। नरेंद्र ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रूका। इस पर नरेंद्र ट्रैक्टर पर चढ़ गए। ट्रैक्टर से टकराने से उनकी मौत हो गई थी। नरेंद्र कुमार की पत्नि मधुरानी भी मप्र काडर की आईएएस अफसर होने से मामला प्रदेश स्तर तक गया।

नरेंद्रकुमार

'हाई कोर्ट में करेंगे अपील'

इस बीच, आरोपी मनोज के भाई वकीलसिंह व मामा साहिबसिंह ने कहा कि हमारे साथ अन्याय हुआ है। इसके खिलाफ हाई कोर्ट मे अपील की जाएगी। बामोर थाने पर मनोज गके खिलाफ प्रकरण दायर किया गया था। परिजन ने पुलिस की जांच पर संदेह जताया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी दी थी। गुरुवार को विशेष न्यायाधीश अनुपम श्रीवास्तव ने खुली अदालत में फैसला सुनाया। सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक एएच खान, इंस्पेक्टर जयनारायण, सहायक इजराईल शेख व आरोपी के वकील महेन्द्र मौर्य मौर्य मौजूद थे।

न्यायालय : पुर्णिमा सिंगी , तहसीलदार, (नजूल) कलेक्टरेट, इंदौर

अचल संपत्ति के विक्रय की उद्घोषणा

(मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 147 (ग) के अधीन)

एतद् द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **आई.डी.बी.आई बैंक लिमिटेड,** अलंकार चेम्बर, रतलाम कोठी शाखा इन्दौर के निम्नलिखित ऋण गृहिताओं से रकम वसूली हेतु उनकी अनुसूची में उल्लेखित संपत्ति (म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 147(ग) के अधीन) कुर्क की जाकर निम्नलिखित दर्शाई गई दिनांक अनुसार सार्वजनिक नीलामी न्यायालय श्री पुर्णिमा सिंगी तहसीलदार, (नजूल) इन्दौर पर **दिनांक 08.03.2013** को **सुबह 12.00 बजे** या उस समय के लगभग विक्रय किया जावेगा। एतद् द्वारा नीलामी में समस्त बोली लगाने वाले महानुभावों को सूचना दी जाती है कि, बोली लगाने के पूर्व रूपये 25,000/- (अक्षरी रूपये पच्चीस हजार मात्र) नीलामी अधिकारी के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे-आर्डर जो **आई.डी.बी.आई बैंक लिमिटेड,** इन्दौर के पक्ष पर देय हो प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। बोली की 25% राशि 24 घंटे में एवं बाकी 75% राशि 15 दिन में जमा करें। अन्यथा रूपये 25,000/- की राशि जप्त मानी जाएगी। राशि **आई.डी.बी.आई बैंक लिमिटेड, इन्दौर के कार्यालय** में जमा करना होगी, इसके पश्चात् भी अंतिम निर्णय तहसीलदार के क्षेत्राधिकार में सुरक्षित रहेगा। विक्रय का विस्तार उक्त संपत्ति में केवल उक्त बकायादार एवं ग्यारंटर के स्वरत्वाधिकारों एवं हितों तक सीमित रहेगा। संपत्तियों का विक्रय **''जहाँ है जैसी है''** के आधार पर किया जा रहा है।

अनुसूची

क्रं.	ऋणियों का नाम/पता	अचल संपत्ति का विवरण	क्षेत्रफल	चर्तुसीमा	कुर्की दिनांक	बकाया राशि (₹)
1	(क)श्री रामभजन फतरोद पिता श्री मासूम फतरोद, (ख) श्रीमती सुनीता फतरोद पति श्री रामभजन फतरोद, 251, श्यामचरण शुक्ल नगर, इंदौर	जी-2, नम्रता अपार्टमेन्ट, 14, सर्वसम्पन्न नगर, इंदौर	सुपर बिल्ट अप 650 वर्गफीट (लगभग)	पूर्व: प्लाट क्रमांक 13, पश्चिम: प्लाट क्रमांक 15, उत्तर: फ्लेट जी-1, दक्षिण: फ्लेट क्रमांक जी-3	10.02.2012	5,52,120 + ब्याज + अन्य खर्च + कार्यवाही खर्च
2	श्रीमती सबाना शेख पति श्री साहिल एम. हुसैन, 51 बी.जी स्कीम नं. 74सी विजय नगर, इंदौर	जी-1, राधिका अपार्टमेन्ट, 15-सर्वसम्पन्न नगर, इंदौर	950 वर्गफीट (लगभग)	पूर्व: प्लाट क्रमांक 14, पश्चिम: प्लाट क्रमांक 16, उत्तर: सड़क, दक्षिण: फ्लेट क्रमांक जी-2	10.02.2012	4,77,351 + ब्याज + अन्य खर्च + कार्यवाही खर्च
3	श्री नरेन्द्र धवने पिता श्री ताराचंद्र धवने टी-11/39, स्कीम नं. 54, दुरसंचार कॉलोनी, इंदौर	102, नम्रता अपार्टमेन्ट, 14, सर्वसम्पन्न नगर, इंदौर	650 वर्गफीट (लगभग)	पूर्व: प्लाट क्रमांक 13, पश्चिम: प्लाट क्रमांक 15, उत्तर: फ्लेट क्रमांक 101, दक्षिण: फ्लेट क्रमांक 103	10.02.2012	5,77,600 + ब्याज + अन्य खर्च + कार्यवाही खर्च
4	श्री प्रवीण श्यामसुन्दर भन्साली पिता श्री श्यामसुन्दर भन्साली, 15-ई, गुरूकृपा नगर, बिजासन रोड़, इंदौर	202, नम्रता अपार्टमेन्ट, 14, सर्वसम्पन्न नगर, इंदौर	650 वर्गफीट (लगभग)	पूर्व: प्लाट क्रमांक 13, पश्चिम: प्लाट क्रमांक 15, उत्तर: फ्लेट क्रमांक 201, दक्षिण: फ्लेट क्रमांक 203	10.02.2012	5,55,526 + ब्याज + अन्य खर्च + कार्यवाही खर्च

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन आज दिनांक 18.02.2013 को विज्ञप्ति जारी की गई।

पूर्णिमा सिंगी,
तहसीलदार (नजूल) इंदौर

ताम्बे ने कथक पर थिरकाया

खजुराहो नृत्य समारोह | विविधता भरा रहा दूसरा दिन

खजुराहो से चिन्मय मिश्र
indore@patrika.com

खजुराहो नृत्य उत्सव का दूसरा दिन काफी विविधता भरा रहा। दिन की महत्वपूर्ण गतिविधि रही नर्तकों, संगीतकारों, चित्रकारों, नाटककारों एवं समीक्षकों का आपसी संवाद।

इस दौरान अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी में प्रमुख नृत्य समीक्षक सुनील कोठारी ने कहा, ''खजुराहो नृत्य उत्सव दरअसल स्वतंत्रता का उत्सव है।'' इस चर्चा में रतन थियाम, प्रयाग शुक्ल, मंदाकिनी आदि ने भागीदारी की। चर्चा में यह बात उभर कर आई कि जो कलाकार स्वयं को आनंदित नहीं कर सकता, वह दूसरों को भी आनंदित नहीं कर सकता। शाम की प्रस्तुतियों में पहली थी टीना ताम्बे की कथक की प्रस्तुति। उन्होंने अपनी प्रस्तुति शिव स्तुति से प्रारंभ की और इसके बाद शुद्ध नृत्य प्रस्तुत किया। दूसरी प्रस्तुति समकालीन युगल नृत्य जिसे फ्रांस की ब्रिजिट शतनियर एवं भारत की मोम चटर्जी गांगुली ने प्रस्तुति किया। इस प्रस्तुति का प्रकाश संयोजन अत्यंत मनोहारी बन पड़ा था। समारोह के अन्तर्गत आयोजित रंग प्रदर्शनी ''नेपथ्य'' के अन्तर्गत केरल के शास्त्रीय नृत्य 'कथकली' की सम्पूर्ण वेशभूषा, मेकअप व प्रयोग में आने वाली सामग्रियों का प्रदर्शन अत्यंत सुरूचिपूर्ण तरीके से किया गया है। जब दर्शक वीथिका से गुजर कर नृत्य क्षेत्र में पहुंचता है तो नृत्यमय होकर स्वमेव एकाग्र होकर नृत्य देखने को तत्पर हो जाता है।

कथक की प्रस्तुति

प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना टीना ताम्बे कथक की प्रस्तुति देती हुईं।